The Quest

Quarterly Newsletter

Year - 4 Volume - 3

Sep. - Nov. 2023

अन्वीक्षण

त्रैमासिक समाचार पत्र

वर्ष | 4 अंक | 3

सितम्बर– नवम्बर, 2023

शहीद मंगल पाण्डेय

वीर बाबू कुँवर सिंह

शेरे बलिया चित्तू पाण्डेय

जननायक चन्द्रशेखर

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय

बलिया (उ०प्र०)

Website : www.jncu.ac.in

The Quest
Quarterly Newsletter
Year - 4 Volume - 3
Sep. - Nov. 2023

अन्वीक्षण
त्रैमासिक समाचार पत्र
वर्ष | 4 अंक | 3 सितम्बर– नवम्बर, 2023

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पृ.सं0
1.	राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन	3
2.	शिक्षक दिवस का आयोजन	3-4
3.	विश्वविद्यालय ने क्षय ...	4
4.	लोक भाषा कवि सम्मेलन...	4-5
5.	राजनीति विज्ञान विभाग ...	5
6.	पी-एच. डी. की प्रवेश परीक्षा ...	5
7.	दीनदयाल उपाध्याय की ...	5-6
8.	गांधी जयंती का आयोजन	6-7
9.	स्वच्छता जागरूकता अभियान...	7
10.	'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम ...	7
11.	'हिन्दी ओलंपियाड -2023' विषयक...	8
12.	लोकनायक जयप्रकाश नारायण ...	8
13.	बाल विवाह मुक्त भारत अभियान...	8
14.	विश्व खाद्य दिवस का आयोजन	9
15.	समाजकार्य विभाग में संवाद...	9
16.	महाविद्यालयों के प्रबंधकगण...	9-10
17.	एकता दिवस का आयोजन	10
18.	प्राचार्यगण की कुलपति के साथ बैठक	10-11
19.	कैंपस सेलेक्शन	11
20.	अंतरमहाविद्यालयी वार्षिक क्रीड़ा..	11
21.	जेएनसीयू की कबड्डी टीम ...	11-12
22.	दीक्षोत्सव का आयोजन	12-13
23.	पाँचवें दीक्षांत समारोह का आयोजन	13-14
24.	स्वर्ण पदक का वितरण	14-15
25.	विद्यार्थियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों...	15
26.	स्मारिका का किया लोकार्पण	15
27.	दीक्षांत समारोह में सांस्कृतिक...	15-16
28.	राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ	16-17
29.	A Talk on Ecocriticism	18

मुख्य संरक्षक
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
कुलाधिपति

संरक्षक
प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता
कुलपति

संपादक
डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय

संपादक मण्डल
डॉ0 सरिता पाण्डेय
डॉ0 नीरज सिंह
डॉ0 संदीप यादव
डॉ0 प्रवीण नाथ यादव
डॉ0 अभिषेक मिश्र

सम्पादक की कलम से...

शिक्षा प्रदान करने में और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास करने में विश्वविद्यालयों की भूमिका निर्विवाद रूप से महत्वपूर्ण है। जब विद्यार्थी किशोरावस्था की दहलीज पार कर युवावस्था की ओर अग्रसर होता है, तब उसका आगमन विश्वविद्यालय में होता है। यही वह समय है जब एक श्रेष्ठ नागरिक, श्रेष्ठ व्यक्तित्व के संस्कार विद्यार्थियों को दिये जा सकते है। जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय अपने स्थापना काल से ही इस लक्ष्य को अपनी अकादिमक गतिविधियों के केन्द्र में रखकर कार्य कर रहा है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के बहुआयामी विकास के लिए जे0एन0सी0यू0 में सदा सह-शैक्षणिक गतिविधियों आयोजित की जाती हैं। इसी क्रम में जे0एन0सी0यू0 में अंतरमहाविद्यालयी वार्षिक क्रीडा प्रतियोगिता आयोजित करायी गयी। जिसके अन्तर्गत एथेलिक्स, बैडमिण्टन, वॉलीबाल, कब्डडी आदि आउटडोर तथा शतरंज जैसी इनडोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा व्याख्यान/संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के लिये स्वच्छता जागरूकता अभियान, बाल विवाह मुक्त भारत अभियान जैसे कार्यक्रम, राष्ट्र प्रेम की भावना विकसित करने के लिए महापुरुषों की जयंती आदि कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

इन सभी गतिविधियों में सर्वाधिक महत्व रखता है विद्यार्थियों को निर्धारित अर्हता प्राप्त करने के पश्चात उपाधि प्रदान करना। जे0एन0सी0यू0 में पाँचवा दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया, जिसके अन्तर्गत माननीय कुलाधिपति ने विद्यार्थियों को जीवन समर में पार उतरने के टिप्स दिये, स्वर्ण पदक वितरित किए, प्राथमिक विद्यालय तथा आँगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों में किट वितरित किये। इन सभी गतिविधियों की विस्तृत सूचना 'अन्वीक्षण' के इस अंक में संग्रहीत है। हम इस प्रयास में कितना सफल हो पाये हैं। आशा है सुधी पाठक अपनी प्रतिक्रियाओं से हमें अवगत अवश्य करायेंगे।

प्रमोद

डॉ0 (प्रमोद शंकर पाण्डेय)
सम्पादक

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में 1 सितम्बर से 6 सितम्बर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन हुआ। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन व निर्देशानुसार गृहविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में 'हेल्दी डायट गिविंग अफोर्डेबल फॉर आल' विषय पर गोष्ठी का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. नंदिता पाठक, निदेशक एवं संस्थापक, उद्यमिता विद्यापीठ, चित्रकूट, मध्य प्रदेश ने अपने व्यक्तव्य द्वारा विद्यार्थियों को सरल, उचित एवं संतुलित पोषण के प्रति जागरूक किया और प्लास्टिक की वस्तुओं का प्रयोग कम करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने मोटे अनाजों के महत्त्व और उपयोगिता को विस्तार से बताया । अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह में आज के परिवेश में किफायती पोषण के महत्त्व को जन–जन तक पहुँचाने पर बल दिया। कार्यक्रम की संयोजिका गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रंजना मल्ल द्वारा बीज व्यक्तव्य में मानव शरीर के लिए आवश्यक विभिन्न पोषक तत्त्वों के महत्त्व को बताया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति तिवारी, स्वागत उद्बोधन सुश्री सौम्या तिवारी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संध्या द्वारा किया गया। इस अवसर पर निदेशक शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा, विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अजय चौबे, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय आदि विश्वविद्यालय परिसर के प्राध्यापक गण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। एक सप्ताह तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में पोस्टर, रंगोली, क्विज़ आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ जन जागरूकता के लिए रैली एवं प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा।

पोषण सप्ताह में प्रदर्शित मोटे अनाजों के व्यंजन

गृहविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के समापन के अवसर पर 6 सितम्बर को छात्राओं ने पोषक पदार्थों से रंगोली बनाईं, जिसमें श्री अन्न, दाल, सब्जी, खनिज पदार्थ आदि का प्रयोग किया गया। छात्राओं द्वारा श्री अन्न (मिलेट) से बने व्यंजनों का भी स्टाल लगाया था। प्रो. गोपालनाथ तिवारी, पूर्व प्रोफेसर आई आई टी, दिल्ली, प्रो. लल्लन जी सिंह, पूर्व कुलपति, हेमवतीनंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय एवं माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने प्रदर्शनी का उद्घाटन व अवलोकन किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में गृह विज्ञान विभाग की प्राध्यापिकाओं डॉ. रंजना मल्ल, सुश्री सौम्या तिवारी, डॉ. संध्या नारायण एवं डॉ. तृप्ति तिवारी की महती भूमिका रही।

शिक्षक दिवस का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में हर्षोल्लास के साथ 5 सितम्बर, 2023 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने परिसर के शिक्षकों के साथ पूरे शिक्षक समुदाय को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कहा कि शिक्षक राष्ट्र और समाज का निर्माता होता है। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को गढ़ने में उसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। शैक्षणिक निदेशक डॉ. पुष्पा मिश्रा ने कहा कि शिक्षक के प्रयासों से ही विद्यार्थी को सफलता प्राप्त होती है। विद्यार्थी के चरित्र के निर्माण में शिक्षक का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर के शिक्षकों को तनिष्क कंपनी के द्वारा सम्मानित किया गया। तनिष्क के कर्मचारी आदित्य पाण्डेय, मो. रज़ा एवं नेहा द्वारा परिसर के प्राध्यापकों को पुष्पगुच्छ एवं उपहार प्रदान किये गये। परिसर में अंग्रेजी, कृषि, समाजकार्य, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र आदि विभिन्न विभागों में भी शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों का भी सम्मानित किया गया।

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 6 सितम्बर, 2023 को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में गुरु वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के तत्वावधान में उच्च शिक्षा के सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. संजीत कुमार गुप्ता, कुलपति ने कहा कि यह दिन उन गुरुओं को स्मरण करने का है जिन्होंने भी हमें जीवन में कुछ सिखाया है। सम्मानित गुरुओं के चरणागम से हमारे

गुरु वंदन कार्यक्रम का उद्घाटन करते मा0 कुलपति एवं अन्य

विश्वविद्यालय का कल्याण होगा। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रो. लल्लन जी सिंह, पूर्व कुलपति, हेमवतीनंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय, उत्तराखंड ने कहा कि प्रकृति प्रदत्त हमारी प्रथम गुरु माँ है, जिसने हमें जीवन का प्राथमिक ज्ञान दिया। विशिष्ट अतिथि प्रो. गोपालनाथ तिवारी, पूर्व प्रोफेसर, आई. आई. टी., दिल्ली ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, क्योंकि शिक्षक विद्यार्थियों को जीवनपर्यंत ज्ञान प्रदान करता है। हम सभी शिक्षक यदि राधाकृष्णन नहीं बन सकते तो अपने गाँव का तो राधाकृष्णन बन ही सकते हैं। विशिष्ट अतिथि तुलसीराम ने कहा कि हम सभी गुरु ऋण से कभी उऋण नहीं हो सकते। भारतीय परंपरा में गुरु की महत्ता अत्यधिक रही है। यह गुरुवंदन का कार्यक्रम उसी की एक कड़ी है। विशिष्ट अतिथि परमेश्वरन श्री रहे। कार्यक्रम का संचालन शोधपीठ के निदेशक प्रो. रामकृष्ण उपाध्याय ने, धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव एस0एल0 पाल ने किया। इस कार्यक्रम में प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह, प्रो. कल्पनाथ चौबे, प्रो. दिलीप श्रीवास्तव, प्रो. हैदर अली, प्रो. गणेश पाठक, प्रो. अंजनी कुमार सिंह, प्रो. रामशरण पाण्डेय, प्रो. गजेंद्रपाल सिंह, प्रो. रीना सक्सेना, प्रो. प्रतिभा त्रिपाठी आदि प्राध्यापकों को सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय ने क्षय रोगियों को गोद लिया

'क्षय रोग मुक्त उत्तर प्रदेश' अभियान के अंतर्गत जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन व निदेशिक, शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग के द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से टी0बी0 मरीजों को गोद लेने का निश्चय किया गया था। इसी क्रम में 6 सितम्बर को एक बार पुनः बेरुआरबारी ब्लॉक के अपायल गाँव के 2 क्षय रोगियों को गोद लिया गया। बेरुआरबारी ब्लॉक के चिकित्सक डॉ. अजय प्रताप (एस.टी.एस.), अपायल के हेल्थ वेलनेस सेंटर की डॉ. रेनू गुप्ता (कम्यूमुनिटी हेल्थ ऑफिसर) की उपस्थिति में डॉ. प्रियंका सिंह, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र और डॉ. नीरज सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग द्वारा 1–1क्षय रोगियों को गोद लिया गया। इनके द्वारा क्षय रोगी को 'पोषण पोटली' प्रदान की गई जिसमें प्रोटीन युक्त खाद्य सामग्री थी। इस अवसर पर समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. संजीव कुमार व आकांक्षा सिंह ए.एन.एम., निर्मला आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री, उर्मिला वर्मा आशा

क्षय रोगियों को पोषण पोटली प्रदान करते प्राध्यापक

समाज कार्य विभाग के प्रदीप गुप्ता, शिप्रा श्रीवास्तव, तेजस्वी सिंह, गौरव राय एव सोनी यादव उपस्थित रहे।

लोक भाषा कवि सम्मेलन का आयोजन

माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के कुशल नेतृत्व एवं संरक्षण में उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) एवं जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी दिवस पर एक वृहद 'लोक भाषा कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया। इअसमें हिन्दी के साथ ही ब्रज, अवधी, भोजपुरी, बुन्देली तथा बघेली भाषाओं के कई कवियों द्वारा काव्यपाठ किया गया। प्रस्तुत कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष, भाजपा, बलिया श्री जयप्रकाश साहू जी रहे। कार्यक्रम की शुरुआत नीलम काश्यप जी की माँ सरस्वती जी की वंदना से हुई। उसके बाद रीवां से बघेली भाषा का प्रतिनिधित्व करते डॉ० उमेश मिश्र 'लखन' ने प्रेम से जुड़ा अपना काव्य पाठ किया 'जउन आपन ना होय त जान न लगावा, दूसरों के भीति मकान न लगावा' का लोगों ने तालियों से स्वागत किया। उसके बाद ब्रज भाषा के कवि श्री अशोक 'अज्ञ' जी द्वारा कृष्ण भक्ति के अंतर्गत 'ब्रज प्रेम

लोक भाषा कवि सम्मेलन के प्रतिभागी कविगण

भक्ति को लडुआ है, चखियों पर छुरों मति करियो' को दर्शकों ने खूब पसंद किया। भोजपुरी भाषा को अंगीकार किये हुए बलिया के कवि व गीतकार श्री ब्रजमोहन प्रसाद 'अनारी ' जी ने श्रीराम और लखन के वन गमन के प्रसंग को भावपूर्ण गीत के रूप में प्रस्तुत

किया जिसका दर्शकों द्वारा तालियों से स्वागत किया गया। अवधी भाषा की परिपाटी को जीवंत रखने वाले प्रयागराज से आये कवि व गीतकार अशोक 'बेशरम' जी द्वारा हिंदी दिवस को समर्पित 'सावन के कजरी भूलना, अउर फागुन फाग की तान है हिंदी। मीरा की बानी, कबीर के सारखी है, छन्द भरी रसखान है हिन्दी' को दर्शकों ने खूब पसंद किया। तत्पश्चात बेशरम जी ने अपने अंदाज में दर्शकों को हर्षोल्लास से परिपूर्ण कर दिया। उसके बाद मंच संचालन कर रहे रायबरेली से आये युवा ओजस्वी कवि अभिजीत मिश्रा 'अकेला' द्वारा देशभक्तिपूर्ण शब्दों में लिपटा काव्य पाठ किया 'भव्यता और दिव्यता के साथ साथ चलते है देशी पदचाप भूल जाते है। इंच–इंच भूमि का नाप भूल जाते हैं, इतना तो भारतीय माप भूल जाते हैं' को दर्शकों का पूरा समर्थन मिला। बुन्देली भाषा का प्रतिनिधित्व करतीं नीलम काश्यप जी ने अपने गीत 'मोरी नन्नदी नदी में नहाय, लहरियां बलि बलि जाय' को उपस्थित सभी श्रोताओं ने तालियों से नवाजा। अंत मे कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे आज़मगढ़ से पधारे प्रसिद्ध कवि भालचंद्र त्रिपाठी ने देश के सम्मान में अपनी काव्य रचना रखी 'देश का मान आहत हो जिस बात से, बात ऐसी हो तो चुप रहेंगे नही' से दर्शकों के सामने अपनी बात रखी। कार्यक्रम में अतिथि स्वागत श्री अतुल द्विवेदी, निदेशक, उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ द्वारा, संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय की शैक्षणिक निदेशक डॉ० पुष्पा मिश्रा द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण नाथ यादव, डॉ. अभिषेक मिश्र, डॉ. संदीप यादव, डॉ. अजय चौबे, डॉ. तृप्ति तिवारी आदि प्राध्यापक, कर्मचारी एवं परिसर के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान का आयोजन

माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्त के निर्देशन एवं संरक्षण में 15 सितम्बर, 2023 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'धारा 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर की स्थिति' विषय पर एकदिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. अशोक कुमार सिंह, प्राचार्य, कुंवर सिंह महाविद्यालय, बलिया ने सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने धारा 370 हटने के बाद 4 साल में आये बदलावों और पूर्व की परिस्थितियों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने राजा हरि सिंह के समय जम्मू कश्मीर के विलय की परिस्थिति, नेहरु के दृष्टिकोण, संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव की शर्तों आदि को विस्तार से बताया। वर्तमान में हो रहे आर्थिक, सामाजिक और व्यवस्थागत परिवर्तन का भी आपने विश्लेषण किया। संचालक डॉ. छबिलाल ने जम्मू और कश्मीर के ऐतिहासिक परिदृश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं डॉ. रजनी चौबे ने धारा 370 के हटाने से कश्मीर में आये बदलाव और उसके भविष्य की संभावनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनोज कुमार ने किया। कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराने में विद्यार्थियों ने अहम भूमिका निभाई।

मुख्य वक्ता के साथ प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी

पी-एच. डी. की प्रवेश परीक्षा का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की पी–एच. डी. की प्रवेश परीक्षा 24 सितंबर को श्री मुरली मनोहर टी. डी. कालेज में आयोजित की गयी। प्रथम पाली में 10– 12 बजे शोध एवं शिक्षण कौशल की और द्वितीय पाली में 2– 4 बजे शोध विषय की परीक्षा हुई। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने स्वयं परीक्षा केन्द्र का दौरा किया और परीक्षा कक्षों का सघन पर्यवेक्षण किया। परीक्षा नियंत्रक / कुलसचिव एस. एल. पाल पूरी परीक्षा के संपन्न होने तक केन्द्र पर मौजूद रहे। कुल 28 विषयों में आयोजित इस परीक्षा में 826 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें 512 परीक्षा में सम्मिलित हुए। परीक्षा के 1 घंटे पूर्व अभ्यर्थियों को सघन तलाशी के बाद ही परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया। विश्वविद्यालय द्वारा प्रो. अरविंद नेत्र पाण्डेय, डॉ. प्रवीण नाथ यादव एवं डॉ. मनोज कुमार को इस परीक्षा का पर्यवेक्षक बनाकर भेजा गया था। प्राचार्य प्रो. रवींद्र नाथ मिश्रा के साथ प्रो. ओ. पी. सिंह, प्रो. भागवत प्रसाद, प्रो. अशोक कुमार सिंह, प्रो. अखिलेश कुमार राय, डॉ. सुजीत कुमार आदि प्राध्यापकों ने परीक्षा को शुचितापूर्ण एवं निर्विघ्न संपन्न कराने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

दीनदयाल उपाध्याय की जयन्ती का आयोजन

दीनदयाल उपाध्याय की जयन्ती के अवसर पर 25 सितम्बर को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के द्वारा 'अमृत काल में दीनदयाल जी के विचारों की प्रासंगिकता' विषयक एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता श्री मिथिलेश नारायण, क्षेत्रीय बौद्धिक शिक्षा प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ,

पूर्वी उत्तर प्रदेश ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि दीन दयाल जी ने विश्व के सभी संस्कृतियों की तुलना की और भारतीय संस्कृति के महत्त्व को बताया। समाज और देश का परिष्कार संस्कार युक्त जीवन से होता है। भारतीय संस्कृति इसी संस्कार की शिक्षा देती है। भारतीय शिक्षा व्यवस्था भारतीय मनीषा के आधार पर होनी चाहिए। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि दीन दयाल जी के विचार वर्तमान समय में सर्वथा प्रासंगिक हैं। दीन दयाल जी का सर्वात्मवाद मनुष्य मात्र की चिंता करता है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. अजय बिहारी पाठक, स्वागत एवं विषय प्रवर्तन प्रो. रामकृष्ण उपाध्याय, निदेशक, पं. दीनदयाल शोध पीठ एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव एस. एल. पाल ने किया। इस अवसर पर संस्कार केन्द्र, बसंतपुर के अध्यापक, पूजा, नंदिनी, विद्यार्थीगण, अभिभावकगण एवं समाज के गणमान्य नागरिकगण को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान की प्रस्तुति संगीत विभाग के प्राध्यापक प्रद्युम्न उपाध्याय एवं विद्यार्थियों ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं

दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर सम्मानित विद्यार्थी

प्राध्यापक डॉ. रामसरन, डॉ. अभिषेक मिश्र, डॉ. पुष्पा मिश्र, प्रो. बैकुंठ नाथ पाण्डेय, प्रो. अशोक कुमार सिंह, डॉ. रामशरण पाण्डेय आदि एवं परिसर के विद्यार्थी तथा कर्मचारी एवं जनपद के गणमान्य नागरिक गण उपस्थित रहे।

गांधी जयंती का आयोजन

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती के अवसर पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में 1 अक्टूबर को 'स्वच्छता ही सेवा' के ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए बापू को स्वच्छांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर 'एक तारीख को एक घंटा, एक साथ' कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में एक घंटे के स्वैच्छिक श्रमदान का आह्वान किया गया था। सरकार की मंशा के अनुरूप तथा राजभवन के निर्देशानुसार आयोजित इस स्वच्छता कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर के प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के नेतृत्व में बढ़– चढ़कर सहभाग किया और विश्वविद्यालय परिसर के हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन, प्रशासनिक भवन, कुलपति निवास, अतिथि गृह आदि भवनों के साथ सड़कों, मैदान, सुरहा ताल संपर्क मार्ग आदि जगहों पर साफ–सफाई की।

अन्तरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर मा. कुलपति का सम्बोधन

स्वच्छता अभियान में श्रमदान करते मा. कुलपति

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में गांधी एवं शास्त्री जयंती 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। अपने संबोधन में माननीय कुलपति ने विद्यार्थियों को गांधी एवं शास्त्री के बताये मार्ग का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि गांधी के जीवन एवं विचार में विरोध नहीं है। उन्होंने अपने सिद्धांतों को अपने जीवन में जिया। गांधी का सर्वोदय हर व्यक्ति के विकास को केंद्रित करता है। उनका श्रम आधारित विकास का माडल जिसमें 'हर हाथ को काम' का विचार है, आज भी सर्वथा प्रासंगिक है। कार्यक्रम में संगीत विभाग के प्राध्यापक प्रद्युम्न उपाध्याय ने 'रघुपति राघव राजा राम, पति पावन सीता राम' एवं चरखा गीत ' मोरे चरखा का न टूटे तार, चरखवा चालू रहे' की प्रस्तुति दी। सोनू यादव ने 'शबरी संवारे रास्ता, आएंगे राम जी' और काशीनाथ ठाकुर ने 'चंचल मन नित राम जपा कर' भजन प्रस्तुत किया। तबले पर

संगत संगीत प्राध्यापक संतोष तिवारी ने दिया। डॉ. छबिलाल, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान ने अहिंसा के संबंध में गाँधी के विचार रखते हुए उसकी प्रासंगिकता को बताया। निदेशक, शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा ने गांधी एवं शास्त्री के जीवन प्रसंगों का जिक्र करते हुए उनकी महानता को समझाया। कार्यक्रम में स्वागत डॉ. गुंजन कुमार, संचालन डॉ. स्मिता त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शशिभूषण ने किया। एनएसएस प्रभारी डॉ. लाल विजय सिंह के नेतृत्व में एन.एस.एस. के स्वयंसेवियों ने बसंतपुर गांव में प्रभातफेरी लगाई और अहिंसा के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. विनीत सिंह, डॉ. तृप्ति तिवारी आदि प्राध्यापक, विद्यार्थी, कर्मचारी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बलिया के तत्वावधान में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन व शैक्षणिक निदेशक डॉ. पुष्पा मिश्रा के निर्देशानुसार समाज कार्य विभाग द्वारा 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत 4 अक्टूबर को हजारी प्रसाद द्विवेदी भवन में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. छबिलाल, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। साथ ही उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान के विभिन्न पक्षों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पुष्पा मिश्रा, विभागाध्यक्ष, समाज कार्य ने की। अन्य वक्ताओं के रूप में डॉ. नीरज कुमार सिंह, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. विजय शंकर पाण्डेय, डॉ. संजीव कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. प्रेमभूषण यादव द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में समाज कार्य एवं अन्य विभागों के छात्र–छात्राओं ने उल्लास पूर्वक भागीदारी सुनिश्चित की। इसी क्रम में 7 अक्टूबर को पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रेमभूषण यादव ने वृक्षों के महत्त्व को बताया। कहा कि वृक्ष प्रकृति का बहुत बड़ा वरदान हैं, पेड़ और धरती एक दूसरे पर निर्भर होने के कारण एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। हवा, मिट्टी और पानी को शुद्ध करके पेड़ धरती को बेहतर वातावरण प्रदान करते हैं। पेड़ों की कमी के कारण पर्यावरण में स्वच्छता और हरियाली की कमी हो रही है अतः हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग के सभी विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और एक–एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. संजीव कुमार ने किया।

परिसर में पौधरोपण करते समाजकार्य विभाग के विद्यार्थी

'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में 9 अक्टूबर को 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता एवं मुख्य अतिथि प्रो. मंजू सिंह, राज्य संपर्क अधिकारी, एनएसएस ने अमृत कलश में मिट्टी भरी। इस मिट्टी को संस्कृति मंत्रालय को सौंपा जाएगा, जहाँ कि पूरे देश से इकट्ठा की गयी मिट्टी के साथ इसे मिलाकर एक किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में देश के प्रति प्रेम, सम्मान और गौरव का बोध जागेगा। कहा कि आत्मा की आवाज़ सब तक पहुँचती है और सामूहिक प्रयत्नों से ही नए समाज का निर्माण होता है। जननायक की धरती से कितने जननायक निकलेंगे यह समय बताएगा। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि संसाधनों की कमी भले ही हो हम लोगों में ऊर्जा बहुत है। काम में छोटा– बड़ा कुछ नहीं होता, उत्साह से काम होता है। किसी भी प्रकार विश्वविद्यालय का विकास हो, यही मेरा उद्देश्य है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुष्पा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर डॉ. अजय चौबे, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. विजय शंकर पाण्डेय, डॉ. सरिता पाण्डेय आदि प्राध्यापक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

अमृत कलश में परिसर की मिट्टी भरते मा. कुलपति

'हिन्दी ओलंपियाड -2023' विषयक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में 10 अक्टूबर को राजभवन के निर्देशानुसार एवं कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण एवं निर्देशन में 'हिन्दी ओलंपियाड –2023' विषयक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के संयोजक डॉ. संदीप यादव, प्रभारी एवं सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों को 'हिन्दी ओलंपियाड 2023' के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। बताया कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के अंतर्गत मातृभाषा में शिक्षण पर बल दिया गया है। हिन्दी क्षेत्र के विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा में ही शिक्षण प्रदान किया जाएगा। अतः विद्यार्थियों को हिन्दी विषय का मूलभूत ज्ञान आवश्यक है। विद्यार्थियों में प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर हिन्दी पठन एवं लेखन का सम्यक् ज्ञान आवश्यक है। इसी को प्रोत्साहित करने के लिए हिन्दी ओलंपियाड का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कक्षा 1 से 10 तक के विद्यार्थियों के हिन्दी कौशल का परीक्षण किया जाएगा और उन्हें विद्यालय, क्षेत्र एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग–अलग पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जिसकी विस्तृत सूचना हिन्दी

हिन्दी ओलंपियाड की जानकारी प्रदान करते हुए प्राध्यापक

ओलंपियाड की वेबसाइट पर दी गई है। आपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया कि वे अपने परिचित विद्यार्थियों को इस प्रतियोगिता में सहभागिता के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय, डॉ. अभिषेक मिश्र, डॉ. प्रवीण नाथ यादव आदि प्राध्यापक एवं परिसर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण जयंती का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में 11 अक्टूबर लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 122वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर कुलपति प्रो.संजीत कुमार गुप्ता ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि जयप्रकाश नारायण भारत माता के ऐसे वरद पुत्र थे जिन्होंने गांधी के विचारों को आत्मसात किया और समाज के गरीब व्यक्ति को समाज की मुख्य धारा में लाने के विचार को आगे बढ़ाया। जेपी ने भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और शैक्षिक उत्थान के विषय को लेकर जो आंदोलन प्रारंभ किया, उसे 'सम्पूर्ण क्रांति' के नाम से जाना गया। यह संपूर्ण क्रांति केवल राजनैतिक क्रान्ति ही नहीं थी वरन आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं आध्यामिक क्रांति भी थी। जिसके आधार पर समतामूलक, सभ्य समाज का निर्माण हो सकता है। चूँकि जयप्रकाश नारायण जी ने जन–जन के मन को जागृत किया, इसीलिए उन्हें लोकनायक की उपाधि से विभूषित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. अजय चौबे, डॉ. संदीप यादव आदि प्राध्यापक एवं परिसर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना, कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन, नई दिल्ली एवं स्थानीय संस्था– नव भारतीय नारी विकास समिति, बहेरी, बलिया तथा समाज कार्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में बालविवाह मुक्त भारत विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन 16 अक्टूबर को किया गया। कुलपति प्रो.संजीत कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन व शैक्षणिक निदेशक डॉ. पुष्पा मिश्रा की गरिमामय उपस्थिति में भारत में चल रहे अभियान 'बाल विवाह मुक्त भारत' की शपथ विद्यार्थियों, प्राध्यापकों तथा कर्मचारियों द्वारा ली गई। मुख्य वक्ता हिन्दी विभाग प्रभारी डॉ. संदीप यादव ने बताया कि बाल विवाह एक घृणित कार्य है, जो आज भी भारत के अनेक राज्यों में प्रचलन में है। यूनिसेफ की 2023 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार भारत में 23 प्रतिशत बालिकाओं का विवाह 18 वर्ष के पूर्व कर दिया जाता है। दुनिया की एक तिहाई किशोर माताएँ भारत में हैं। यूनिसेफ के अनुसार भारत के 5 राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल,

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान पर संगोष्ठी

महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश में 50 प्रतिशत बाल विवाह होता है, जिससे बालिकाओं को भविष्य में काफी नुकसान पहुचता है। इस अवसर पर समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. संजीव कुमार , डॉ. प्रेमभूषण यादव, डॉ. मनोज कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग आदि प्राध्यापकगण, आदित्य पाण्डेय अभियान, समन्वयक, नव भरतीय नारी विकास समिति तथा परिसर के विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व खाद्य दिवस का आयोजन

गृहविज्ञान विभाग द्वारा विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर खाद्य सुरक्षा पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन 16 अक्टूबर को विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण में आयोजित इस नाटक के माध्यम से गृह विज्ञान विभाग की छात्राओं द्वारा खाद्य सुरक्षा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. संध्या ने बताया कि इस नुक्कड़ नाटक के द्वारा हम समाज में भोज्य पदार्थों की बर्बादी रोकने के प्रति जागरूकता बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। विभाग प्रभारी डॉ. रंजना मल्ल ने कहा कि विश्व खाद्य दिवस मनाने का उद्देश्य दुनिया से भुखमरी को खत्म करना एवं विश्व भर में फैली भुखमरी की समस्या के प्रति लोगों को जागरूक करना है। कार्यक्रम में निदेशक शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अजय चौबे, डॉ. तृप्ति तिवारी, सुश्री सौम्या तिवारी, आदि प्राध्यापकगण, विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

नुक्कड़ नाटक का एक दृश्य

समाजकार्य विभाग में संवाद कार्यक्रम का आयोजन

माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन व निदेशक शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा की अध्यक्षता में दिनांक 17 अक्टूबर, 2023 को विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग द्वारा अकादमिक भवन में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में समाजिक कार्यकर्ता की भूमिका, क्षेत्र एवं कौशल को प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता प्रथम इन्फोटेक आर्गेनाइजेशन के तीन राज्यों (दिल्ली, हरियाणा व हिमाचल प्रदेश) के प्रमुख प्रदीप गुप्ता एवं विशिष्ट वक्ता जीवन प्रदाता फाउंडेशन के अध्यक्ष कुमार हर्षित उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने अपने विषय, समाज के प्रति कर्तव्यों व अपनी अपेक्षाओं से सम्बन्धित प्रश्न रखे, जिनका उत्तर मुख्य वक्ता प्रदीप गुप्ता द्वारा बहुत ही सरल शब्दों में दिया गया। मुख्य वक्ता ने समाज, समाज कार्य, व्यावसायिक समाज कार्य तथा समाज हेतु निमित्त मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों की चर्चा की। इस प्रकार समाज के विकास के लिए किए जाने वाले कार्यों के संबंध में उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया। उन्होंने समाज कार्य से सम्बन्धित सरकारी व गैर सरकारी अथवा निजी क्षेत्र में नियोजन के अवसर व लाभ को समझाया। कार्यक्रम का संचालन समाज कार्य विभाग के छात्र हरीश यादव ने किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ.संजीव कुमार तथा विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

संवाद कार्यक्रम में विचार रखती छात्रा

महाविद्यालयों के प्रबंधकगण के साथ कुलपति की बैठक

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता ने 20 अक्टूबर, को सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्रबन्धकगण से मुलाकात की। इस अवसर पर प्रबंधकगण ने कुलपति जी का स्वागत किया। कुलपति जी एवं प्रबंधकगण ने वार्ता के क्रम में विश्वविद्यालय के प्रगति के लिए मिलजुलकर काम करने पर सहमति जताई। इस बैठक में प्रबंधकगण द्वारा महाविद्यालय के संसाधनों और विश्वविद्यालय से जुड़ी हुई कतिपय गतिविधियों में आने वाली असुविधाओं से कुलपति जी को अवगत कराया, जिसके निवारण का आश्वासन कुलपति जी द्वारा दिया गया। आगामी दीक्षांत समरोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में प्रबंधकगण को पर्याप्त प्रतिनिधित्व

प्रबंधकगण के साथ हुई बैठक में विचार रखते प्रबंधक

प्रदान करने पर भी सहमति बनी। इस बैठक में विद्यार्थियों के कतिपय समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया गया। इस बैठक में कुलसचिव श्री एस0एल0 पाल के साथ विभिन्न महाविद्यालयों के प्रबन्धकगण यथा श्री लल्लन सिंह, श्री अशोक कुमार श्रीवास्तव, श्री धर्मात्मानन्द, श्री श्रीराम शुक्ल, श्री राजधारी सिंह, श्री विनोद कुमार सिंह, श्री शिवमंगल सिंह, श्री टी0एन0 मिश्र, श्री अखिलेश राय आदि उपस्थित रहे।

एकता दिवस का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में 31 अक्टूबर, 2023 को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती एकता दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पार्चन द्वारा हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत के वर्तमान स्वरूप को निर्धारित करने में सरदार पटेल का अप्रतिम योगदान है। सरदार पटेल ने ही सैकड़ों की संख्या में विभाजित भारतीय रियासतों को एकत्र किया। कुलपति ने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता के लिए सांस्कृतिक और भावनात्मक एकता जरूरी है। अतः हमें अपनी सोच बदलनी होगी और 'सर्वदा राष्ट्र प्रथम' के विचार को आगे बढ़ाना होगा। कुलपति ने सरदार पटेल को श्रद्धा सुमन अर्पित किया और परिसर के विद्यार्थियों, कर्मचारियों व प्राध्यापकों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर 'एकता के लिए दौड़' का भी आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ कुलपति ने हरी झंडी दिखाकर कर किया। संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव एस. एल. पाल, निदेशक शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. रजनी चौबे, डॉ. संदीप यादव, डॉ. शशिभूषण, डॉ. सरिता पाण्डेय आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में माननीय कुलपति प्रो.संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण और मार्गदर्शन में, राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर डॉ. रजनी चौबे ने भारत

एकता दिवस पर आयोजित व्याख्यान के प्रतिभागी

के स्वाधीनता संग्राम में पटेल की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया। कहा कि गांधी जी के सच्चे अनुयायी के रूप में सरदार पटेल ने कई सत्याग्रह आंदोलनों का सफल नेतृत्व किया। डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि सरदार पटेल व्यक्तिगत रूप से हिंदू धर्म को मानते हुए भी समतावादी विचार रखते थे। डॉ. छबिलाल ने बारदोली एवं खेड़ा के सत्याग्रह आंदोलन की सफलता में उनके नेतृत्व की भूमिका को रेखांकित किया। इस क्रम में विद्यार्थियों ने भी अपने विचार रखे जिनमें प्रथम सेमेस्टर से काजल, अनुराग, प्रीति, पिंकी, नितेश व तृतीय सेमेस्टर से वागीशा इत्यादि ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का संचालन तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कविता कुमारी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन बाबू जॉन ने दिया। कार्यक्रम में परिसर के अन्य प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थीगण भी उपस्थित रहे।

प्राचार्यगण की कुलपति के साथ बैठक

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने संबद्ध महाविद्यालय के प्राचार्यगण के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में आने वाली असुविधाओं के समाधान तलाशने के लिए 2 नवंबर को एक बैठक की। इस अवसर पर प्राचार्यों द्वारा विद्यार्थी हित एवं परीक्षा व्यवस्था के संबंध में कुछ समस्या एवं सुझाव रखे गए। कुलपति जी ने उन सुझावों के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा की गयी कार्यवाही के बारे में बताया और आगे आने वाले परिवर्तनों से भी अवगत कराया। कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी हित में परीक्षा नियमों में कतिपय संशोधन किए गए हैं। इस क्रम में मिड टर्म और लिखित परीक्षा के कुल योग के आधार पर विद्यार्थी को उत्तीर्ण करना, प्रायोगिक परीक्षा और मिड टर्म के अंकों का महाविद्यालय द्वारा अग्रसारण अनिवार्य किया जाना, स्नातक के सभी पाठ्यक्रमों में

प्राचार्यगण के साथ बैठक करते मा. कुलपति

अंकों को समान करना आदि निर्णय लिए गए हैं। अब परीक्षाफल पर ग्रेड के साथ प्राप्तांक भी अंकित होंगे। कहा कि कक्षोन्नति के

लिए केवल पचास प्रतिशत क्रेडिट अनिवार्य होगा। विद्यार्थियों को स्नातक के पाँचवें सेमेस्टर में ही लघु शोध परियोजना दे दिया जाए ताकि समय से स्नातक परीक्षा का परिणाम घोषित किया जा सके। कुलपति ने इस निर्णय के लिए प्राचार्यगण प्रो. बी. एन. पाण्डेय, प्रो. आर एन मिश्र, प्रो. अशोक सिंह, कुलसचिव एस एल पाल के प्रयत्नों की सराहना की। कहा कि विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए संबद्ध महाविद्यालय की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। हमें मिलकर जिम्मेदारी लेनी होगी । कुलपति ने दीपावली पर्व की सभी को बधाई दी और दीक्षांत समारोह में सबसे सहयोग की अपेक्षा भी की। इस बैठक में प्रो. हरेराम सिंह, प्रो.राम शर्मा, प्रो. जी एस द्विवेदी आदि प्राचार्यगण, कुलानुशासक डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. शशिभूषण, डॉ. गुंजन आदि प्राध्यापकगण सम्मिलित रहे।

कैंपस सेलेक्शन

माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण में जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल और कंप्यूटर साइंस विभाग के द्वारा पीजीडीसीए के विद्यार्थियों के लिए 2 नवम्बर को कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी 'इनफिनिटी लर्न' द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं का परीक्षण कर नौकरी के लिए उनकी उपयुक्तता की परख की गयी। इस परीक्षण में तीस से अधिक विद्यार्थी उपस्थित हुए। कंपनी के बलिया क्षेत्र के मानव संसाधन प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह द्वारा अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया। उन्होंने बताया कि एक सप्ताह में विश्वविद्यालय को परिणाम से अवगत करा दिया जायेगा। कहा कि दीपावली से पहले ही चयनितों की ज्वाइनिंग करा दी

कैंम्पस सेलेक्शन के प्रतिभागी एवं कम्पनी प्रतिनिधि

जायेगी। प्लेसमेंट सेल के समन्वयक डॉ. विजय शंकर पाण्डेय एवं कंप्यूटर प्राध्यापक श्री हर्ष त्रिपाठी ने प्लेसमेंट की टीम को सहयोग प्रदान किया।

अंतरमहाविद्यालयी वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय द्वारा अंतर महाविद्यालयी वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में 6 नवम्बर को विश्वविद्यालय परिसर में अंतरमहाविद्यालयी शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने माँ सरस्वती एवं जननायक चंद्रशेखर जी के चित्र पर पुष्पार्चन कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। कुलपति जी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज का खेल भारत का अति प्राचीन खेल है, इसको खेलने से मानसिक विकास होता है। कहा कि खिलाड़ियों के मन में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ परस्पर सहयोग की भावना के विकास में ऐसे आयोजन सहायक होते हैं। उन्होंने संदेश दिया कि विद्यार्थियों को इस सकारात्मक भाव को जीवनपर्यंत अपनाकर रखना चाहिए। इस प्रतियोगिता में महिला वर्ग में अंजलि साहनी, टी. डी. कालेज प्रथम, शालिनी वर्मा, टी. डी. कालेज व प्रिया मौर्य, बजरंग पी जी कालेज संयुक्त रूप से द्वितीय तथा सृष्टि कुमारी, दूजा देवी महाविद्यालय तृतीय स्थान पर रहीं। पुरुष वर्ग में आशीष ओझा, टी. डी. कालेज प्रथम, अमित कुमार, दूजा देवी महाविद्यालय द्वितीय तथा निरंजन कुमार, बाबा रामदल कालेज

मा. कुलपति द्वारा खिलाड़ियों को संबोधन

तृतीय रहे। इस अवसर पर कुलसचिव एस. एल. पाल, क्रीड़ा सचिव डॉ. विवेक सिंह, क्रीड़ा संयोजक प्रो. फूलबदन सिंह, निदेशक, शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा, कुलानुशासक डॉ. प्रियंका सिंह तथा विश्वविद्यालय परिसर के खेल समिति के सदस्यगण डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. प्रेमभूषण यादव, डॉ. रामशरण यादव, डॉ. प्रज्ञा बौद्ध, डॉ. विवेक कुमार यादव, विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाड़ी एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

जेएनसीयू की कबड्डी टीम ने जीता कांस्य

महाराजा श्रीरामचंद्र भंजदेव विश्वविद्यालय, मयूरभंज, उड़ीसा में आयोजित ईस्ट जोन अंतरविश्वविद्यालयी कबड्डी प्रतियोगिता 2023–24 में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता। इस प्रतियोगिता में कुल 62 टीमों ने प्रतिभाग किया था। जेएनसीयू, बलिया ने महाराजा श्रीरामचंद्र भंजदेव विश्वविद्यालय,

मयूरभंज को 52–37 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी थी। जहाँ अडामास, विश्वविद्यालय, कोलकाता को 39–36 हराकर तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक प्राप्त किया । इसी के साथ जेएनसीयू की टीम ने आल इंडिया अंतरविश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता 2023–24 के लिए क्वालीफाई किया। इस टीम में अनीश सिंह यादव, कप्तान के साथ आकाश कुमार सिंह, सलुक, अनुज राय, अमन कन्नौजिया, दुष्यंत चौधरी, आनंद यादव, आकिब हाशमी, विशु, अखिल चौधरी, पंकज कुमार राजभर एवं फरमान खिलाड़ी तथा कोच मनोज कुमार यादव थे। आल इंडिया अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में देश की चोटी की 16 टीमें प्रतिभाग करेंगी। डॉ. प्रवीण नाथ यादव, टीम मैनेजर ने बताया कि यह प्रतियोगिता कर्नाटक के मंगलुरु विश्वविद्यालय में 23–26 नवंबर को आयोजित होगी। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों की इस जीत पर माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता, कुलसचिव एस. एल. पाल, निदेशक, शैक्षणिक डॉ. पुष्पा मिश्रा, डी एस डब्ल्यू डॉ. अजय चौबे, आदि प्राध्यापकों, कर्मचारियों ने बधाई दी । माननीय कुलपति ने क्रीड़ा समिति के संयोजक प्रो.

ईस्टजोन अंतरविश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता की विजेता टीम

फूलबदन सिंह एवं सचिव डॉ. विवेक सिंह की उनके प्रयासों के लिए सराहना की। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों के सभी कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं उनके परिवारजनों को छठ पर्व के अवसर पर बधाई भी दी। कहा कि इस अवसर पर खिलाड़ियों के ऐसे प्रदर्शन ने निश्चय ही पर्व की प्रसन्नता को कई गुणा बढ़ा दिया है ।

दीक्षोत्सव का आयोजन

दीक्षोत्सव में आयोजित व्याख्यान के वक्ता, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में पंचम दीक्षांत समारोह के पूर्व दीक्षोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण में विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न विभागों द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, इस क्रम में अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा 'छात्रों के लिए परियोजना कार्य की महत्ता' विषय पर डॉ. विश्वनाथ कुमार, श्री बलदेव पी जी कालेज, बड़ागाँव, वाराणसी द्वारा व्याख्यान दिया गया। हिन्दी विभाग द्वारा 'चंद्रगुप्त नाटक में राष्ट्रीयता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके वक्ता प्रो जैनेंद्र पाण्डेय, टीडी कालेज, बलिया रहे। समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'भारतीय ज्ञान परंपरा एवं समाजशास्त्र' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके वक्ता प्रो रविप्रकाश पाण्डेय, काशी विद्यापीठ रहे। अंग्रेजी विभाग द्वारा 'इकोक्रिटिसिज्म' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके वक्ता प्रो. राम शर्मा, प्राचार्य, श्री सुदृष्टि बाबा कालेज रहे। गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'बाल कुपोषण में उचित भोजन का महत्त्व' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी वक्ता डॉ. सुमन सिंह, इग्नू, दिल्ली रहीं। भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा 'नैनोटेक्नोलोजी' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन कराया गया, जिसके वक्ता प्रो प्रेम प्रकाश सिंह, यूइंग क्रिश्चियन कालेज, प्रयागराज रहे। राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता और भारत' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी वक्ता प्रो. अलका रानी गुप्ता, यू पी कालेज, वाराणसी रहीं। भूगोल विभाग द्वारा 'भूकंप : कारण, प्रभाव और उपाय' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके वक्ता डॉ. शिवाकांत दुबे, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल रहे। कामर्स

विभाग द्वारा वित्तीय साक्षरता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके वक्ता डॉ. सत्यप्रकाश, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर रहे। समाजकार्य विभाग द्वारा बाल समस्या पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके वक्ता अजहर अली, बाल कल्याण समिति, बलिया के पूर्व मजिस्ट्रेट रहे।

पाँचवें दीक्षांत समारोह का आयोजन

जल भरो कार्यक्रम द्वारा दीक्षान्त समारोह का शुभारम्भ करतीं मा. कुलाधिपति

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह का आयोजन 26 नवम्बर को विश्वविद्यालय परिसर के दीक्षांत मंडप में हुआ। इस अवसर पर स्नातक के 21372 एवं स्नातकोत्तर के 3430, कुल 24802 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी, जिनमें 13347 छात्राएँ एवं 11454 छात्र थे। विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने इस समारोह की अध्यक्षता की। विद्यार्थियों को उपदेश देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास है। कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं है बल्कि अर्जित ज्ञान को समाज में व्यावहारिक रूप प्रदान करने का आरंभ है। राष्ट्र और समाज के निर्माण में विद्यार्थियों की अहम भूमिका है और वे स्वस्थ समाज और राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान निभाने के लिए तैयार हो जाएँ। कहा कि इस देश को स्वस्थ महिलाओं की आवश्यकता है। महिलाएँ अपनी बेटियों को कैंसररोधी वैक्सीन अवश्य लगवायें, अपने पतियों और भाईयों से उपहार में साड़ी की बजाय वैक्सीन का उपहार लें। कहा कि हम मूल अधिकारों की बात हमेशा करते हैं, इस संविधान दिवस पर हमें मौलिक कर्तव्यों की बात करनी चाहिए जो कि संविधान के अनुच्छेद 51 क में लिखित है। बलिया में कृषि आधारित उद्योगों के विकास की संभावनाएँ हैं। श्री अन्न/मोटे अनाज बहुत पोषणयुक्त हैं उनके उत्पादन एवं निर्यात से किसानों को पोषण के साथ समृद्धि भी प्राप्त हो सकती है। विश्वविद्यालय में होने वाले शोध गाँव की समस्याओं पर आधारित होने चाहिए और इनका लाभ गाँव को मिलना चाहिए।

दीक्षांत उद्‌बोधन देते हुए मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) हरमहेंद्र सिंह बेदी, कुलाधिपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला ने विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य चरित्रवान विद्यार्थियों का निर्माण करना है। कहा कि आज ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जो रोजगारपरक हो। चंद्रशेखर जी ने आतंकवाद के समय पंजाब को राष्ट्रीय धारा में जोड़ने का जो श्रम किया उसकी भूरि– भूरि प्रशंसा की। उन्होंने तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालय के योगदान को बताते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने उपनिषद, वेद, रामायण, गुरुग्रंथ साहिब जैसे ग्रंथ दिए हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत ग्रंथ घोषित किया है। विश्वविद्यालय द्वारा समुदाय के विकास के लिए किये जाने वाले कार्यों की उन्होंने सराहना की और उम्मीद जतायी कि यह विश्वविद्यालय जनपद के आर्थिक, तथा सामाजिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

विशिष्ट अतिथि श्री योगेंद्र उपाध्याय, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु– शिष्य परंपरा का आज वास्तविक प्रकटन हुआ है। अपने गुरुओं द्वारा प्रदत्त ज्ञान

अध्यक्षीय उद्‌बोधन प्रदान करतीं मा. कुलाधिपति

एवं कौशल को ये उपाधि प्राप्त विद्यार्थी अपने जीवन में उतारेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि ये विद्यार्थी भविष्य में भी कठिन परिश्रम करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे और अपने विश्वविद्यालय, जनपद एवं राष्ट्र की समृद्धि में योगदान देंगे।

कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत उद्बोधन देते हुए माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय का प्रगति विवरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बताया कि जे.एन.सी.यू. द्वारा ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन के लिए कुटीर उद्योग एवं कैश क्राप के लिए लगातार प्रशिक्षण दिया जाता है। विश्वविद्यालय शिक्षकों एवं प्राचार्यगण के शिक्षण कौशल के विकास के लिए निरन्तर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। कहा कि विश्वविद्यालय में शीघ्र ही शोध के लिए प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो जायेगी। कार्यक्रम का संचालन प्रो. निशा राघव तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव एस. एल. पाल ने किया। इस अवसर पर दानिश आज़ाद अंसारी, माननीय अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह, माननीय परिवहन राज्यमंत्री, माननीय राज्यसभा सांसद नीरज शेखर, पूर्व कुलपति प्रो कल्पलता पाण्डेय, केतकी सिंह, माननीय विधायक, बांसडीह, संजय यादव, जिलाध्यक्ष, भाजपा आदि उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह पर मंचासीन मा. कुलाधिपति एवं अतिथिगण

स्वर्ण पदक का वितरण

जेएनसीयू के पांचवें दीक्षांत समारोह में, 38 मेधावियों को स्वर्णपदक एवं 1 सर्वश्रेष्ठ छात्रा को कुलाधिपति पदक (चांसलर मेडल) प्रदान किया गया। बी. ए. में आशुतोष सिंह, बी. काम. में ऋद्धि तिवारी, बी. एस.सी. में मो शादाब, बी. सी. ए. में मो फैज़ान अंसारी, बी. एस.सी. कृषि में स्वप्निल यादव, बी. एड. में अचला यादव, बी. पी. एड. में महेश्वर सिंह, बी. एल. एड. में शताक्षी पाण्डेय एल. एल. बी. में अरमान खाँ, एम. ए. हिन्दी में कंचन सोनी, एम. ए. संस्कृत में अजय शर्मा, एम. ए. अंग्रेजी में ईशा मिश्रा, एम. ए. प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व में प्रिया चौरसिया, एम. ए. मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास में प्रगति गुप्ता, एम. ए. उर्दू में रेश्मा खातून, एम. ए. भूगोल में उज्ज्वल सिंह, एम. ए. अर्थशास्त्र में अवंतिका सिंह, एम. ए. समाजशास्त्र में उन्नति चौहान, एम. ए. राजनीति विज्ञान में वैभव कुमार द्विवेदी, एम. ए. मनोविज्ञान में प्रीति तिवारी, एम. ए. शिक्षाशास्त्र में सोनम चौरसिया, एम. ए. दर्शनशास्त्र में शिल्पा यादव, एम. एस. डब्ल्यू. में विवेक कुमार सिंह, एम. काम. में अंजलि सोनी, एम. एड. में शाहला परवीन, एम. एस–सी. गणित आकांक्षा राय, एम. एस.सी. रसायन

मा. कुलाधिपति द्वारा स्वर्णपदक वितरण

विज्ञान में साक्षी गुप्ता, एम. एस.सी. वनस्पति विज्ञान में फायजा खातून, एम. एस.सी. प्राणि विज्ञान साक्षी बरनवाल, एम. एस.सी. भौतिक विज्ञान में रिहा सिंह, एम. ए. गृह विज्ञान खाद्य एवं पोषण में श्वेता शुक्ला, एम. ए. गृह विज्ञान मानव विकास में सृष्टि कुमारी, एम. ए. रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन में अभिषेक कुमार

वर्मा, एम. एस–सी. जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान में रजिया खातून, एम. एस–सी. कृषि कृषि अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी में दीक्षा सिंह, एम. एस–सी. कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान में आदित्य सेन, एम. एस–सी. कृषि आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में रानी, एम. एस–सी. कृषि उद्यान विज्ञान में गोपाल कुमार तथा विश्वविद्यालय स्तर पर संचालित समस्त पाठ्यक्रमों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए कुलाधिपति पदक साक्षी बरनवाल को प्रदान किया गया।

विद्यार्थियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को किट वितरण

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट वितरण

प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को किट वितरण

कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने प्राथमिक विद्यालय के 30 विद्यार्थियों को शैक्षिक किट प्रदान किया, जिसमें स्कूल बैग, कापी किताबें, पेंसिल, पेन आदि पाठ्यसामग्री के साथ बिस्कुट, टाफ़ी आदि वस्तुयें थीं। विद्यार्थियों को राज्यपाल ने खूब दुलारा और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। राज्यपाल से मिलकर विद्यार्थियों की प्रसन्नता देखते ही बनती थी। उन्होंने राज्यपाल को अपने हाथों से बनी ड्रॉइंग उपहार में दी। विश्वविद्यालय के गोद लिए हुए गाँवों में विश्वविद्यालय ने खेलकूद के कार्यक्रम कराये गये थे, जिनके विजेता बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया। कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने 5 आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को भी उपहार वितरित किया और उन्हें किट प्रदान की। इस किट में आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए आवश्यक सामग्रियों के साथ जिसके साथ बच्चों के लिए साइकिल भी थी।

स्मारिका का किया लोकार्पण

कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने दीक्षांत समारोह के अवसर स्मारिका 'सृजन' जे.एन.सी.यू. के न्यूज़लेटर ' 'अन्वीक्षण' (जीम फनमेज)' के दो अंकों के साथ श्री अन्न (मोटे अनाज) से बने व्यंजनों की रेसिपी की एक पुस्तक का भी लोकार्पण किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के सामाजिक उत्तरदायित्व केंद्र की सूचना विवरणिका का भी लोकार्पण किया। स्मारिका का संपादन प्रो जैनेंद्र पाण्डेय, डॉ प्रमोद शंकर पाण्डेय, डॉ. संदीप यादव, डॉ. अभिषेक मिश्र, डॉ. दिलीप मध्येशिया, डॉ. नीरज सिंह ने और न्यूज़लेटर का संपादन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय, डॉ. सरिता पाण्डेय, डॉ. संदीप यादव, डॉ. अभिषेक मिश्र, डॉ. प्रवीण नाथ यादव एवं डॉ. नीरज सिंह ने किया है। श्री अन्न के

मा. कुलाधिपति एवं अतिथियों द्वारा पुस्तकों का लोकार्पण

व्यंजनों की पाक विधि की पुस्तक का संपादन डॉ. रंजना मल्ल, सुश्री सौम्या, डॉ. संध्या व डॉ. तृप्ति तिवारी ने किया है।

दीक्षांत समारोह में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह की शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। विद्यार्थियों के अंदर निहित प्रतिभा को मंच मिले, इसी उद्देश्य से विश्वविद्यालय परिसर में ये कार्यक्रम

विद्यार्थियों द्वारा अष्ठभुजा रूप की प्रस्तुति

आयोजित किये जाते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नृत्य द्वारा माँ शारदे की वंदना से हुआ, जिसे गुलाब देवी महिला महाविद्यालय की छात्रा अंजलि, ईशा, राधा, सृष्टि, लवली, प्रीति, पायल, अमृता, ज्योत्सना, पलक एवं शुभि ने प्रस्तुत किया। जेएनसीयू के छात्र काशी ठाकुर ने ' कर ले भजन तू' भजन सुनाकर सभी का मन मोह लिया। 'महिषासुर मर्दिनी' गीत पर टी डी कालेज की छात्राओं लकी भूषण, पूजा, प्रांजलि, अंजलि एवं तृप्ति ने प्रस्तुत किया। पुनः गुलाब देवी की छात्राओं ईशा, अंजलि, सृष्टि ने 'ए री सखी मंगल गाओ री' पर मन को मोहने वाला नृत्य प्रस्तुत किया। जेएनसीयू के छात्र सोनू यादव ने 'काहें तेरी अँखियों में पानी' गीत प्रस्तुत कर सबको रससिक्त कर दिया। टी डी कालेज के छात्रों आनंद, सूरज, शिवम, अमित, देवेशमणि ने कव्वाली प्रस्तुत कर सबको आनंदमग्न कर दिया। गुलाब देवी महाविद्यालय की छात्राओं अंजलि, ईशा और सोनी ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। परिसर के छात्र संजीव कुमार यादव की कथक प्रस्तुति को सभी ने सराहा। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. संतोष सिंह ने, धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अजय चौबे ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. निवेदिता श्रीवास्तव रहीं।

सांस्कृतिक संध्या में एकल नृत्य एवं सामूहिक नृत्य का प्रदर्शन

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित रैलियाँ

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के दिशा–निर्देशन में सितम्बर से नवंबर माह की अवधि में सम्बद्ध महाविद्यालयों की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन. एस.एस.) इकाइयों द्वारा विभिन्न प्रकार की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिनांक 12 सितंबर को श्री नरहेजी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरही, रसड़ा, बलिया की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा उद्यमिता एवं स्वरोजगार जागरण द्वारा संचालित श्री अन्न पोषण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी तिथि को गुलाब देवी महिला पी जी कालेज, बलिया की इकाई के द्वारा मच्छरों से उत्पन्न रोग एवं बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया गया तथा सेनेटरी नैपकिन का भी वितरण किया गया। श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय की इकाई के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 24 सितंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत साफ सफाई एवं जागरूकता का कार्यक्रम माँ फूला देवी महाविद्यालय, तिलौली, बघुड़ी, नरहेजी स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, नगवां के द्वारा आयोजित किया गया

अक्टूबर माह के आरंभ में दिनांक 1 अक्टूबर को स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत राधा मोहन किसान मजदूर पी. जी. कालेज, नियामतपुर, कंसो , देवेन्द्र पी. जी. कालेज, बेल्थरा रोड, डी. एस. मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कालेज, रतसर, श्री मुरली मनोहर टाउन पी. जी. कालेज, अमरनाथ मिश्र पी. जी. कालेज, दुबे छपरा, माँ फूला देवी कन्या महाविद्यालय, तिलौली, बघुड़ी, शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, नगवां, श्री बजरंग पी. जी. कालेज, दादर आश्रम, सिकंदरपुर, संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, सुरही, किसान पी. जी. कालेज, रतसर, कुँवर सिंह पी. जी. कालेज, बलिया की इकाई के द्वारा स्वच्छता जागरूकता

अभियान चलाने के साथ ही साफ– सफाई का कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुलाब देवी महिला महाविद्यालय के द्वारा स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत श्रमदान कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया । अगले दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गोपाल जी महाविद्यालय, रेवती, संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, सुरही, डी.एस. मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कॉलेज, श्रीनाथ बाबा महाविद्यालय, इसारी, सलेमपुर, किसान पी जी कालेज, रकसा, रतसर, श्री मुरली मनोहर टाउन पी जी कालेज, श्री बजरंग पी जी कालेज की इकाई के द्वारा स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम, परिचर्चा, विचार गोष्ठी एवं भाषण प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।

दिनांक 12 अक्टूबर को श्री मुरली मनोहर टाउन पी. जी. कालेज, गुलाब देवी महिला पी. जी. कालेज, कुंवर सिंह पी. जी. कालेज, देवेंद्र पी. जी. कालेज, श्री बजरंग पी. जी. कालेज, श्री स्वामीनाथ सिंह सुरेंद्र महाविद्यालय धर्मपुर, काजीपुर, मथुरा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रसड़ा ने तथा दिनांक 13 अक्टूबर को द्वारिका प्रसाद सिन्हा महिला पी. जी. कालेज, रजवारवीर, बांसडीह, अमरनाथ मिश्र पी. जी. कालेज, नरहेजी पी. जी. कालेज, शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, नगवां , दूजा देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रजौली, सहतवार, राधा मोहन किसान मजदूर पी. जी. कालेज आदि ने 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत शपथ ग्रहण कार्यक्रम सहित विविध गतिविधियां आयोजित कीं। दूजा देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रजौली, सहतवार के 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के अन्तर्गत अमृत कलश यात्रा एवं पंच प्रण प्रतिज्ञा शपथ ग्रहण कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार सिंह ने भी भाग लिया। उन्होंने प्राचार्य डॉ. पंकज कुमार सिंह एवं स्वयंसेवियों के साथ मिलकर पौधरोपण भी किया। मिशन शक्ति चतुर्थ चरण के आरम्भ के अवसर पर डी.एस. मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कालेज, देवेंद्र पी जी कालेज, माँ फूला देवी महाविद्यालय, श्री बजरंग पी जी कालेज, नरहेजी महाविद्यालय, शहीद मंगल पाण्डेय महिला महाविद्यालय, दूजा देवी महाविद्यालय , संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, श्रीनाथ बाबा महाविद्यालय, गुलाब देवी पी जी कालेज, कुँवर सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय तथा सतीश चन्द्र पी. जी. कालेज आदि ने 14 अक्टूबर को जागरूकता रैली एवं विचार गोष्ठी आदि का आयोजन कराया ।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के निर्देशन पर बाल श्रम एवं बाल विवाह मुक्त अभियान के अन्तर्गत नव भारतीय नारी विकास समिति, बहेरी, बलिया के साथ संगोष्ठी एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन 16 अक्टूबर को सतीश चंद्र पी. जी. कालेज, शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, राधा मोहन किसान मजदूर पी. जी. कालेज, गौरी शंकर राय कन्या महाविद्यालय, करनई, जमुना राम पी. जी. कालेज, चितबड़ागांव, गोपाल जी महाविद्यालय, संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, श्रीनाथ बाबा महाविद्यालय, किसान पी जी कालेज, महेंद्र सिंह मेमोरियल महाविद्यालय, कथरिया, श्री बजरंग पी. जी. कालेज, मथुरा पी जी कालेज, रसड़ा, राज नारायण महाविद्यालय, भीमपुरा नं. 2, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया आदि में हुआ। इसी क्रम में किसान पी. जी. कालेज, रकसा एवं गुलाब देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाइयों द्वारा क्रमशः महाविद्यालय में बाल श्रम एक सामाजिक अभिशाप और बाल विवाह तथा बाल श्रम मुक्ति अभियान विषयक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। मिशन शक्ति के अंतर्गत ही मुरली मनोहर टाउन पी. जी. कालेज की चारों एन.एस.एस. इकाइयों ने 19 अक्टूबर को छात्राओं को आत्म सुरक्षा की ट्रेनिंग दिलवाई। दिनांक 27 अक्टूबर को श्री मुरली मनोहर टाउन पी जी कालेज, बलिया के द्वारा मतदाता रजिस्ट्रेशन के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

राष्ट्र निर्माता लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना इकायों के द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में उल्लासपूर्वक मनाया गया । शपथ ग्रहण कार्यक्रम, वाद–विवाद, पोस्टर प्रतियोगिता, एकता दौड़ (रन फॉर यूनिटी), विचार गोष्ठी, व्याख्यान, क्विज प्रतियोगिता इत्यादि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर महेंद्र सिंह मेमोरियल महाविद्यालय संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरहेजी महाविद्यालय, हीरानंद महाविद्यालय, शिवराज स्मारक महाविद्यालय, माँ फूला देवी महाविद्यालय, अमरनाथ मिश्र पी. जी. कालेज, स्वामीनाथ सिंह सुरेंद्र महाविद्यालय, शहीद मंगल पाण्डेय राजकीय महिला महाविद्यालय, श्री बजरंग पी. जी. कालेज, देवेंद्र पी. जी. कालेज, मथुरा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, किसान पी. जी. कालेज, द्वारिका प्रसाद सिन्हा महिला महाविद्यालय, डी एस मेमोरियल गर्ल्स कालेज, पृथ्वी शिव किसान मजदूर महाविद्यालय, राज नारायण महाविद्यालय, कुँवर सिंह पी जी कालेज, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया परिसर, अमरनाथ मिश्र पी. जी. कालेज, श्रीनाथ बाबा महाविद्यालय, राधा मोहन किसान मजदूर पी. जी. कालेज, सतीश चंद्र पी. जी. कालेज इत्यादि की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों ने सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्मदिन मनाया। माननीय कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में सभी उपस्थित जनों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई । राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर ही देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान के समापन करने के समारोह के सजीव प्रसारण को भी श्री बजरंग पी. जी. कालेज एवं श्री सतीश चन्द्र महाविद्यालय में एन.एस.एस. इकाइयों के माध्यम से दिखाया गया। सजीव प्रसारण को देखने वालों में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार सिंह, प्राचार्य प्रो. बैकुंठ नाथ पाण्डेय, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण पायलट, डॉ. सच्चिदानन्द मिश्र सहित अनेक प्राध्यापक एवं स्वयंसेवी रहे ।

नवंबर माह में द्वारिका प्रसाद सिन्हा महिला महाविद्यालय में दिनांक 25 नवंबर को मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर मथुरा महाविद्यालय, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमरनाथ मिश्र पी. जी .कालेज, बजरंग पी. जी. कालेज, देवेंद्र पी. जी. कालेज, कुंवर सिंह पी. जी. कालेज आदि में शपथ एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री बजरंग पी जी कालेज के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान का भी आयोजन किया गया।

A Talk on Ecocriticism

Under the able guidance of hon'ble Vice-Chancellor Prof. Sanjeet Gupta, the Department of English, Jananayak Chandrashekhar University (JNCU Ballia), organized a lecture in the ongoing convocation week of the university on the topic "Ecocriticism" on 21/11/2023. Prof Ram Sharma, Principal, Sudistipuri P.G. College was the keynote speaker. Prof Sharma shared his thought-provoking ideas and insightful views among the students on the said topic. He spoke at length about Ecocriticism and how it is the study of literature and environment from an interdisciplinary point of view. He also underlined its relationship between humans and the natural world in literature.

Welcome note was given by Dr Ajay Kumar Chaubey, (HoD) of the department and vote of thanks was proposed by Dr Dilip K. Madhesiya. The convenor of the program was Dr Niraj Kumar Singh and the organizing secretary was Dr Dilip K. Madhesiya. Dr Sarita Pandey, the convenor of the lecture series and an assistant professor in the Department of English was present along with other faculty members on this occasion. It was indeed an enlightening hour.

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में दीक्षोत्सव की धूम

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में पंचम दीक्षांत समारोह के पूर्व दीक्षोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण में विवि परिसर के विभिन्न विभागों द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है, इस क्रम में अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा छात्रों के लिए परियोजना कार्य की महत्ता विषय पर डॉ. विश्वनाथ कुमार, श्री बलदेव पी जी कालेज, बड़ागाँव, वाराणसी द्वारा व्याख्यान दिया गया। हिन्दी विभाग द्वारा चंद्रगुप्त नाटक में राष्ट्रीयता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके वक्ता प्रो जैनेंद्र पाण्डेय, टीडी कालेज, बलिया रहे। समाजशास्त्र विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा एवं समाजशास्त्र विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके वक्ता प्रो रविप्रकाश पाण्डेय, काशी विद्यापीठ रहे। अंग्रेजी विभाग द्वारा इकोक्रिटिसिज्म विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके वक्ता प्रो. राम शर्मा, प्राचार्य, श्री सुदृष्टि बाबा कालेज रहे। गृह विज्ञान विभाग द्वारा बाल कुपोषण में उचित भोजन का महत्त्व विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी वक्ता डॉ. सुमन सिंह, इग्नू, दिल्ली रहीं। भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा नैनोटेक्नोलोजी विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन कराया गया, जिसके वक्ता प्रो प्रेम प्रकाश सिंह, यूइंग कृश्चियन कालेज, प्रयागराज रहे। राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता और भारत विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसकी वक्ता प्रो. अलका रानी गुप्ता, यू पी कालेज, वाराणसी रहीं। भूगोल विभाग द्वारा भूकंप : कारण, प्रभाव और उपाय विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके वक्ता डॉ. शिवाकांत दुबे, त्रिभुवन विवि, नेपाल रहे। कामर्स विभाग द्वारा वित्तीय साक्षरता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके वक्ता डॉ. सत्यप्रकाश, गुरु घासीदास विवि बिलासपुर रहे।

इसके अलावा अन्य विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। इस कार्यक्रम की संयोजिका डॉक्टर सरिता पाण्डेय तथा निदेशक शैक्षणिक डा पुष्पा मिश्रा की देख -रेख मे विभागों के प्राध्यापको द्वारा इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

जेएनसीयू में गुरु वंदन कार्यक्रम का आयोजन

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में गुरु वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विवि के दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के तत्वावधान में उच्च शिक्षा के सेवानिवृत शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. संजीत कुमार गुप्ता, कुलपति ने कहा कि यह दिन उन गुरुओं को स्मरण करने का है जिन्होंने भी हमें जीवन में कुछ सिखाया है। सम्मानित गुरुओं के चरणागम से हमारे विवि का कल्याण होगा। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रो. लल्लन जी सिंह, पूर्व कुलपति, हेमवतीनंदन बहुगुणा विवि, उत्तराखंड ने कहा कि प्रकृति प्रदत्त हमारी प्रथम गुरु माँ है, जिसने हमें जीवन का प्राथमिक ज्ञान दिया। विशिष्ट अतिथि प्रो. गोपालनाथ तिवारी, पूर्व प्रोफेसर, आई. आई. टी., दिल्ली ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते क्योंकि शिक्षक विद्यार्थियों को जीवनपर्यंत ज्ञान प्रदान करता है। हम सभी शिक्षक यदि राधाकृष्णन नहीं बन सकते तो अपने गाँव का तो राधाकृष्णन बन ही सकते हैं। विशिष्ट अतिथि तुलसीराम ने कहा कि हम सभी गुरु ऋण से कभी उऋण नहीं हो सकते। भारतीय परंपरा में गुरु की महत्ता अत्यधिक रही है। यह गुरुवंदन का कार्यक्रम उसी की एक कड़ी है। विशिष्ट अतिथि परमेशवरन श्री रहे। कार्यक्रम का संचालन शोधपीठ के निदेशक प्रो. रामकृष्ण उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम में प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह, प्रो. कल्पनाथ चौबे, प्रो. दिलीप श्रीवास्तव, प्रो. हैदर अली, प्रो. गणेश पाठक, प्रो. अंजनी कुमार सिंह, प्रो. रामशरण पाण्डेय, प्रो. गजेंद्रपाल सिंह, प्रो. रीना सक्सेना, प्रो. प्रतिभा त्रिपाठी आदि प्राध्यापकों को सम्मानित

जननायक चंद्रशेखर विवि में दीक्षांत समारोह के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं। संवाद

लोक नृत्य और गीतों से सभी को किया मंत्रमुग्ध

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह की शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। विद्यार्थियों के अंदर निहित प्रतिभा को मंच मिले, इसी उद्देश्य से विवि परिसर में ये कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नृत्य द्वारा मां शारदे की वंदना से हुआ, जिसे गुलाब देवी महिला महाविद्यालय की छात्रा अंजलि, ईशा, राधा, सृष्टि, लवली, प्रीति, पायल, अमृता, ज्योत्सना, पलक एवं शुभि ने प्रस्तुत किया। जेएनसीयू के छात्र काशी ठाकुर ने ''कर ले भजन तू'' भजन सुनाकर सभी का मन मोह लिया। ''महिषासुर मर्दिनी'' गीत पर टीडी कॉलेज की छात्राओं लकी भूषण, पूजा, प्रांजलि, अंजलि एवं तृप्ति ने प्रस्तुत किया।

पुनः गुलाब देवी की छात्राओं ईशा, अंजलि, सृष्टि ने ''ए री सखी मंगल गाओ री'' पर मन को मोहने वाला नृत्य प्रस्तुत किया। जेएनसीयू के छात्र ''काहे तेरी अंखियों में पानी'' गीत प्रस्तुत कर सबको रससिक्त कर दिया। टीडी कॉलेज के छात्रों आनंद, सूरज, शिवम, अमित, देवेशमणि ने कव्वाली प्रस्तुत कर सबको आनंदमग्न कर दिया। गुलाब देवी महाविद्यालय की छात्राओं अंजलि, ईशा और सोनी ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। परिसर के छात्र संजीव कुमार यादव की कथक प्रस्तुति को सभी ने सराहा। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. संतोष सिंह ने, धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अजय चौबे ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. निवेदिता श्रीवास्तव रहीं। संवाद

दीक्षांत समारोह में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह की शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। विद्यार्थियों के अंदर निहित प्रतिभा को मंच मिले, इसी उद्देश्य से विवि परिसर में ये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नृत्य द्वारा माँ शारदे की वंदना से हुआ, जिसे गुलाब देवी महिला महाविद्यालय की छात्रा अंजलि, ईशा, राधा, सृष्टि, लवली, प्रीति, पायल, अमृता, ज्योत्सना, पलक एवं शुभि ने प्रस्तुत किया। जेएनसीयू के छात्र काशी ठाकुर ने 'कर ले भजन तू' भजन सुनाकर सभी का मन मोह लिया। 'महिषासुर मर्दिनी' गीत पर टी डी कालेज की छात्राओं लकी भूषण, पूजा, प्रांजलि, अंजलि एवं तृप्ति ने प्रस्तुत किया। पुनः गुलाब देवी की छात्राओं ईशा, अंजलि, सृष्टि ने ' ए री सखी मंगल गाओ री' पर मन को मोहने वाला नृत्य प्रस्तुत किया। जेएनसीयू के छात्र 'काहें तेरी अँखियों में पानी' गीत प्रस्तुत कर सबको रससिक्त कर दिया। टी डी कालेज के छात्रों आनंद, सूरज, शिवम, अमित, देवेशमणि ने कव्वाली प्रस्तुत कर सबको आनंदमग्न कर दिया। गुलाब देवी महाविद्यालय की छात्राओं अंजलि, ईशा और सोनी ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। परिसर के छात्र संजीव कुमार यादव की कथक प्रस्तुति को सभी ने सराहा। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. संतोष सिंह ने, धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अजय चौबे ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. निवेदिता श्रीवास्तव रहीं।

जेएनसीयू मे पंचम दीक्षान्त समारोह की तैयारी अंतिम चरण में

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के पंचम दीक्षान्त समारोह को अन्तिम रूप देने में विश्वविद्यालय प्रशासन लगा हुआ है। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों, अधिकारियों, प्राध्यापकों और दीक्षांत समिति के सभी सदस्य गण की बैठक की और व्यवस्था को सर्वोत्तम बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने के लिए निर्देशित किया। विवि परिसर में भव्य पंडाल लगाया जा रहा है। जिसमें संबद्ध महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं प्राचार्य गण, कार्य परिषद एवं विद्या परिषद के सदस्य गण, उपाधि प्राप्तकर्ता विद्यार्थी, जन प्रतिनिधिगण, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी गण सम्मिलित होंगे। विश्वविद्यालय में 26 नवम्बर को पंचम दीक्षान्त समारोह आयोजित हो रहा है, जिसमें उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल स्वर्ण पदक विद्यार्थियों को पदक प्रदान करेंगी। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने कहा कि हमने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है। अब हम लोग अतिथियों का स्वागत और व्यवस्था को सर्वोत्तम बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रहें है।हमारे पास जितनी सुविधा में उसमें हम बेहतर करने का प्रयास कर रहे है।इस अवसर पर कुलसचिव एस. एल.पाल, निदेशक, शैक्षणिक, संकायाध्यक्ष गण, कुलानुशासक, परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालय के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

श्रीअन्न के व्यंजनों की बनाई रंगोली

जागरण संवाददाता, बलिया : जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की ओर से राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के तहत सभी के लिए किफायती स्वस्थ्यवर्धक आहार विषय पर कार्यक्रम हुआ। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में पोस्टर, क्विज एवं रंगोली प्रतियोगिता हुई।

निर्णायक मंडल में सहायक आचार्य डा. संजीव कुमार और डा. मनोज कुमार रहे। कार्यक्रम में छात्राओं ने पोषक पदार्थों से रंगोली बनाई, जिसमें श्री अन्न, दाल, सब्जी, खनिज पदार्थ आदि का प्रयोग किया गया था। छात्राओं ने श्री अन्न (मिलेट) से बने व्यंजनों का भी स्टाल लगाया। पूर्व प्रोफेसर आईआईटी दिल्ली प्रो. गोपालनाथ तिवारी, पूर्व कुलपति हेमवतीनंदन बहुगुणा विवि प्रो. लल्लन सिंह एवं जेएनसीयू कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की डा. रंजना मल्ल, सौम्या तिवारी, डा. संध्या नारायण एवं डा. तृप्ति तिवारी ने किया।

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह विषयक कार्यक्रम शुभारंभ करते कुलपति प्रो .संजीत कुमार गुप्ता साथ में अतिथि गण • जागरण

क्षय रोगियों को गोद लिया

विवि के कुलपति के मार्गदर्शन व शैक्षणिक निदेशिका डा .पुष्पा मिश्रा के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग के द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से टीबी मरीजों को गोद लेने का निश्चय किया गया था। इसी क्रम में बेरुआरबारी ब्लाक के अपायल गांव में दो क्षय रोगियों को गोद लिया गया।

जेएनसीयू में कुलपति ने किया स्वैच्छिक श्रमदान

बलिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती के अवसर पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में रविवार को 'स्वच्छता ही सेवा' के ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए बापू को स्वच्छांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर 'एक तारीख को एक घंटा, एक साथ' कार्यक्रम के अंतर्गत विवि परिसर में एक घंटे के स्वैच्छिक श्रमदान का आह्वान किया गया था। सरकार की मंशा के अनुरूप तथा राजभवन के निर्देशानुसार आयोजित इस स्वच्छता कार्यक्रम में विवि परिसर के प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के नेतृत्व में बढ़- चढ़कर सहभाग किया और विवि परिसर के हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन, प्रशासनिक भवन, कुलपति निवास, अतिथि गृह आदि भवनों के साथ सड़कों, मैदान, सुरहा ताल संपर्क मार्ग आदि जगहों पर साफ- सफाई की।

गांधी का विकास मॉडल आज भी प्रासंगिक : कुलपति

जेएनसीयू में गांधी व शास्त्री जयंती पर सोमवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्त

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विवि में गांधी व शास्त्री जयंती 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में मनाई गई। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्त ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने कहा कि गांधी के जीवन व विचार में विरोध नहीं है। गांधी का सर्वोदय हर व्यक्ति के विकास को केंद्रित करता है। उनका श्रम आधारित विकास का माडल जिसमें 'हर हाथ को काम' का विचार है, आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। संगीत विभाग के प्राध्यापक प्रद्युम्न उपाध्याय ने रघुपति राघव राजा राम, पति पावन सीता राम व चरखा गीत 'मोरे चरखा का न टूटे तार, चरखवा चालू रहे' की प्रस्तुति दी। सोनू यादव ने 'शबरी संवारे रास्ता, आएंगे राम जी' और काशीनाथ ठाकुर ने 'चंचल मन नित राम जपा कर' भजन प्रस्तुत किया। तबले पर संगत संगीत प्राध्यापक संतोष तिवारी ने दिया। इस दौरान डॉ. छबिलाल, डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. गुंजन कुमार, डॉ. स्मिता त्रिपाठी, डॉ. शशिभूषण, डॉ. लाल विजय सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. विनीत सिंह, डॉ. तृप्ति तिवारी, डॉ रंजना मल्ल आदि थे।

अमृत कलश में भरी मिट्टी, किया प्रेरित

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विवि में सोमवार को 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्त व मुख्य अतिथि प्रो. मंजू सिंह (राज्य संपर्क अधिकारी, एनएसएस) ने अमृत कलश में मिट्टी भरी। इसे संस्कृति मंत्रालय को सौंपा जाएगा।

मुख्य अतिथि ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से देश के प्रति प्रेम, सम्मान व गौरव का बोध जागेगा। कहा कि सामूहिक प्रयत्नों से ही नए समाज का निर्माण होता है। कुलपति ने कहा कि संसाधनों की कमी भले ही हो, हम लोगों में ऊर्जा बहुत है। विवि का विकास किसी भी प्रकार हो, यही मेरा उद्देश्य है।

जेएनसीयू में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

बलिया (ब्यूरो) सन्मार्ग। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्ता के संरक्षण में दिनांक 31 अक्टूबर 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम और सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती का आयोजन किया गया। जिसमे स्वयं सेवक एवम् सेविकाओं ने पोस्टर बनाने के साथ ही भाषण और प्रश्नोत्तरी के कार्यक्रम में सहभागिता दिखाई। इस कार्यक्रम में अनु यादव, राधा कुमारी, श्वेता यादव, सिमरन तिवारी, साक्षी सिंह राठौर, सोनाली ठाकुर, शगुन मौर्य, कृष्ण कुमार, खुशी सिंह, सुनिधि सोनी, शिवान्नी सिंह, शिवांनी डूबे, सोनू पाल आदि ने प्रतिभाग किया तथा इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी डॉश लाल विजय सिंह, निदेशक शैक्षणिक डा. पुष्पा मिश्रा, कुलानुसाशक डॉश प्रियंका सिंह, के साथ कृषि संकाय के सह आचार्य डॉ. अजीत जयसवाल, डॉ. अमर सिंह, मिश वेदप्रकाश, मिश ऋषभ मौर्य आदि उपस्थित रहे।

संबद्ध महाविद्यालय के प्राचार्यगण के साथ कुलपति ने की बैठक

बलिया। बसंतपुर स्थित जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्ता ने संबद्ध महाविद्यालय के प्राचार्यगण के साथ गुरुवार की दोपहर एक बजे बैठक की। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में आने वाली असुविधाओं के समाधान तलाशने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर प्राचार्यों द्वारा विद्यार्थी हित एवं परीक्षा व्यवस्था के संबंध में कुछ समस्या एवं सुझाव रखे गए। कुलपति जी ने उन सुझावों के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा की गयी कार्यवाही के बारे में बताया और आगे आने वाले परिवर्तनों से भी अवगत कराया। कहा कि विवि द्वारा विद्यार्थी हित में परीक्षा नियमों में कतिपय संशोधन किए गए है। इसी क्रम में मिड टर्म और लिखित परीक्षा के कुल योग के आधार पर विद्यार्थी को उत्तीर्ण करना, प्रायोगिक परीक्षा और मिड टर्म के अंकों का महाविद्यालय द्वारा अग्रसारण अनिवार्यकिया जाना, स्नातक के सभी पाठ्यक्रमों में अंकों को समान करना आदि निर्णय लिए गए है। अब परीक्षाफल पर ग्रेड के साथ प्राप्तांक भी अंकित होंगे। कहा कि कक्षोन्नति के लिए केवल पचास प्रतिशत क्रेडिट अनिवार्यहोगा। विद्यार्थियों को स्नातक के पाँचवे सेमेस्टर में ही लघु शोध परियोजना दे दिया जाए ताकि समय से स्नातक परीक्षा का परिणाम घोषित किया जा सके।

जेएनसीयू में हिन्दी दिवस पर एक वृहद 'लोक भाषा कवि सम्मेलन' का आयोजन

बलिया,हरिवंश कुमार। हिंदी हमारी राजभाषा है वह लोक की भी भाषा है इसके साथ ही ब्रज, अवधी, भोजपुरी, बुन्देली, बघेली भी हमारी लोक भाषाएँ हैं, जिन्हें प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर बोला जाता है।जेएनसीयू के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता के कुशल नेतृत्व एवं संरक्षण में उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) एवं जेएनसीयू के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी दिवस पर एक वृहद 'लोक भाषा कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया। जिसमें हिन्दी के साथ ही ब्रज, अवधी, भोजपुरी, बुन्देली तथा बघेली भाषाओं के कई कवियों द्वारा काव्य पाठ किया गया।

प्रस्तुत कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष, भाजपा, श्री जयप्रकाश साहू रहे। कार्यक्रम की शुरुआत नीलम काश्यप जी की माँ सरस्वती जी की वंदना से हुई। उसके बाद रीवा से बघेली भाषा का प्रतिनिधि करते डॉ० उमेश मिश्र 'लखन' ने प्रेम से जुड़ा अपना काव्य पाठ किया 'जउन आपन ना होय त जान न लगावा, दूसरों के भीति मकान न लगावा' का लोगों ने तालियों से स्वागत किया। उसके बाद ब्रज भाषा के कवि श्री अशोक 'अज्ञ' जी द्वारा कृष्ण भक्ति के अंतर्गत 'ब्रज प्रेम भक्ति को लडुआ है, चखियों पर छुरों मते करियो' को दर्शकों ने खूब पसंद किया।भोजपुरी भाषा को अंगीकार किये हुए बलिया के कवि व गीतकार श्री ब्रजमोहन प्रसाद 'अनारी' जी ने श्रीराम और लखन के वन गमन के प्रसंग को भावपूर्ण गीत के रूप में प्रस्तुत किया जिसका दर्शकों द्वारा तालियों से स्वागत किया गया। अवधी भाषा की परिपाटी को जीवंत रखने वाले प्रयागराज से आये कवि व गीतकार अशोक 'बेशरम' जी द्वारा हिंदी दिवस को समर्पित 'सावन के कजरी भूलना, अउर फागुन फाग की तान है हिंदी। मीरा की बानी, कबीर के सारथी है, छन्द भरी रसखान है हिन्दी' को दर्शकों ने खूब पसंद किया। उसके बाद बेशरम जी ने अपने अंदाज में दर्शकों को हर्षोल्लास से परिपूर्ण कर दिया। उसके बाद मंच संचालन कर रहे रायबरेली से आये युवा ओजस्वी कवि अभिजीत मिश्रा 'अकेला' द्वारा देशभक्तिपूर्ण शब्दों में लिपटा काव्य पाठ किया 'भव्यता और दिव्यता के साथ साथ चलते है देशी पदचाप भूल जाते है इंच-इंच भूमि का नाप भूल जाते हैं, इतना तो भारतीय माप भूल जाते हैं' को दर्शकों का पूरा समर्थन मिला बुन्देली भाषा का प्रतिनिधित्व करतीं नीलम काश्यप जी ने अपने गीत 'भोरी नन्नदी नदी में नहाय, लहरियां बलि बलि जाय' प्रस्तुत किया। अध्यक्षता प्रसिद्ध कवि भालचंद्र त्रिपाठी ने देश के सम्मान में अपनी काव्य रचना रखी 'देश का मान आहत हो जिस बात से, बात ऐसी हो तो चुप रहेंगे नहीं' से दर्शकों के सामने अपनी बात रखी।कार्यक्रम में अतिथि स्वागत श्री अतुल द्विवेदी, निदेशक, उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ द्वारा, संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय की शैक्षणिक निदेशक डॉ० पुष्पा मिश्रा जी द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण नाथ यादव, डॉ. अभिषेक मिश्र, डॉ. संदीप यादव, डॉ. अजय चौबे, डॉ. तृप्ति तिवारी आदि प्राध्यापक, कर्मचारी एवं परिसर के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

शिक्षा राष्ट्र की प्रगति में सशक्त माध्यम : आनंदीबेन

सहारा न्यूज ब्यूरो

बलिया ।

कार्यक्रम को सम्बोधित व दीक्षांत समारोह में छात्राओं को गोल्ड मेडल प्रदान करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

दीक्षान्त का अर्थ शिक्षा का अंत होना नहीं है, बल्कि एक ऐसा पड़ाव है जहां विद्यार्थी अपनी अर्जित शिक्षा को कर्म क्षेत्र में उतारने का संकल्प लेता है। किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति में सबसे सशक्त माध्यम शिक्षा ही है। मुझे विश्वास है कि आपने इस विश्वविद्यालय से जो शिक्षा ग्रहण की है, वह आपके जीवन-पथ को आलोकित करेगी। यह बातें जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कही। इस दौरान कुल 24802 विद्यार्थियों ने उपाधि प्राप्त किया। जिसमें इसमें स्नातक स्तर के 21,372 व स्नातकोत्तर स्तर के 3,430 विद्यार्थी शामिल है। इसमें 13,347 छात्राएं व 11.454 छात्र है। राज्यपाल ने 38 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिया, जिसमें 12 छात्र व 26 छात्राएं रही।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा, राजनीती, प्रशासन, खेल और कला आदि कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं बचा है, जहां बेटियां अपनी प्रतिभा का लोहा न मनवा रही हों। यह प्रत्येक क्षेत्र में लड़कों की न सिर्फबराबरी कर रही है, बल्कि कई क्षेत्रों में ये लड़कों से आगे नजर आ रही है। सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए तमाम योजनाएं चलाई। लड़कियों को भी मौका मिला तो परिणाम लाकर दिखा भी दिया। उन्होंने कहा कि हम सबको अपने मौलिक कर्तव्यों को जानना चाहिए और उसका निर्वहन करना चाहिए। युवा पीढ़ी को भी मूल कर्तव्यों का ज्ञान कराया जाना अति आवश्यक है। युवाओं में नशे की लत को लेकर उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त बुराइयों का भी संकल्प युवाओं को लेना होगा। इतनी उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद बुराईयों को खुद से दूर नहीं रख सकते तो ऐसी शिक्षा की आवश्यकता नहीं। आगे कहा कि विवि के रिसर्च का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों को मिले। गांव वालों की समस्याओं का समाधान करने की पहल हमेशा हो।

बेटियों को लगवाएं एचपीवी वैक्सीन : राज्यपाल ने कहा कि इस देश को स्वस्थ महिलाओं की आवश्यकता है। वर्तमान में कैंसर के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए यह जरूरी हो गया है कि हर महिला अपनी बेटी को कैंसररोधी वैक्सीन जरूर लगवाएं। इसमें दो-तीन हजार का खर्च जरूर है, पर पतियों और भाईयों से उपहार में साड़ी व अन्य सामानों की जगह वैक्सीन लगवाने को जरूर कहें। बीमारी के बाद लाखों रूपए खर्च करने की वजाय वैक्सीन लगवाना बेहतर विकल्प है।

स्कूली बच्चों से किया संवाद, दिए उपहार : राज्यपाल श्रीमती पटेल ने परिषदीय स्कूल के 30 बच्चों से बातचीत किया। उन्होंने सभी बच्चों को उपहार भी दीं। जिसमें स्कूल बैग, कापी किताबें, पेंसिल, पेन आदि पाठ्यसामग्री के साथ बिस्कुट, टाफ़ी आदि रही। राज्यपाल से उपहार पाकर बच्चे काफी उत्साहित दिखे। बच्चों ने राज्यपाल को पर्यावरण, संविधान, राष्ट्रीय ध्वज पर आधारित पेंटिंग भेंट किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से भी मिलकर पोषण किट का सदुपयोग कर कुपोषणमुक्त व टीबी मुक्त गांव बनाने का संदेश दिया। केंद्र पर बच्चो को खेलने के लिए तीन पहिया रिक्सा भी दीं। विवि के गोद लिए हुए गांवों में पूर्व में आयोजित की गयी खेलकूद प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया।

जेएनसीयू में पांचवें दीक्षांत समारोह का आयोजन

24802 विद्यार्थियों को मिली उपाधि

मोटे अनाज की खेती के लिए किसानों को करें प्रोत्साहित : राज्यपाल ने कहा कि गंगा व सरयू नदी के बीच होने के नाते प्रकृति ने भी इस क्षेत्र को अत्यंत उर्वरक कृषि योग्य भूमि दी है। आज पूरी दुनिया मिलेट्स यानी 'श्री अन्न' मोटे अनाज के महत्व को जान चुकी है। इसलिए सभी विद्यार्थी व शिक्षक इस क्षेत्र के किसानों को मोटे अनाज की खेती के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करें। कृषि विज्ञान से जुड़े शिक्षक एवं विद्यार्थी 'श्री अन्न' की गुणवत्ता और उत्पादकता की वृद्धि के लिए शोध और नवाचार करें, ताकि भारत अपने साथ-साथ पूरी दुनिया की आबादी को पोषण दे सके।

देश के लिए कुछ करना सबका कर्तव्य: विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा का आज वास्तविक प्रकटन हुआ है। अपने गुरुओं द्वारा प्रदत्त ज्ञान एवं कौशल को ये उपाधि प्राप्त विद्यार्थी अपने जीवन में उतारेंगे। सभी विद्यार्थियों का कर्तव्य है, देश के लिए कुछ करना। देश हमें देता है, हम भी कुछ देना सीखें। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी विद्यार्थी भविष्य में भी कठिन परिश्रम करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे और अपने विश्वविद्यालय, जनपद एवं राष्ट्र की समृद्धि में योगदान देंगे।

स्मारिका का किया लोकार्पण : कुलाधिपति श्रीमती पटेल ने दीक्षांत समारोह के अवसर स्मारिका 'सृजन' व श्री अन्न (मोटे अनाज) से बने व्यंजनों की रेसीपी की एक पुस्तक का भी लोकार्पण किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के सामाजिक उत्तरदायित्व केंद्र की सूचना विवरणिका का भी लोकार्पण किया। स्मारिका का संपादन प्रो जैनेंद्र पाण्डेय, डॉ प्रमोद शंकर पाण्डेय, डॉ. संदीप यादव, डॉ. अभिषेक मिश्र, डॉ. दिलीप मध्येशिया, डॉ. नीरज सिंह ने तथा न्यूज़लेटर का संपादन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय, डॉ. सरिता पाण्डेय, डॉ. संदीप यादव, डॉ. अभिषेक मिश्र, डॉ. प्रवीण नाथ यादव एवं डॉ. नीरज सिंह ने किया है। पुस्तक का संपादन डॉ. रंजना मल्ल, सौम्या, डॉ. संध्या व डॉ. तृप्ति तिवारी ने किया है।

38 मेधावियों को मिला स्वर्ण साक्षी को चांसलर मेडल

बलिया। जेएनसीयू के पांचवें दीक्षांत समारोह में, 38 मेधावियों को स्वर्णपदक एवं एक सर्वश्रेष्ठ छात्रा साक्षी बर्नवाल को चांसलर मेडल मिला। बीए में आशुतोष सिंह, बीकाम में ऋिद्ध तिवारी, बीएससी में मो. शादाब, बीसीए में मो फैज़ान अंसारी, बीएससी कृषि में स्वप्निल यादव, बी.एड में अचला यादव, बीपीएड में महेश्वर सिंह, बीएलएड में शताक्षी पाण्डेय, एलएलबी में अरमान खाँ, एमए हिन्दी में कंचन सोनी, एमए संस्कृत में अजय शर्मा, एमए अंग्रेजी में ईशा मिश्रा, एमए प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व में प्रिया चौरसिया, एमए मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास में प्रगति गुप्ता, एमए उर्दू में रेश्मा खातून, एमए भूगोल में उज्ज्वल सिंह, एमए अर्थशास्त्र में अवंतिका सिंह, एमए समाजशास्त्र में उन्नित चौहान, एमए राजनीति विज्ञान में वैभव कुमार द्विवेदी, एमए मनोविज्ञान में प्रीति तिवारी, एमए शिक्षाशास्त्र में सोनम चौरसिया, एमए दर्शनशास्त्र में शिल्पा यादव, एमएसडब्ल्यू में विवेक कुमार सिंह, एम.काम में अंजलि सोनी, एमएड में शाहला परवीन, एमएससी गणित आकांक्षा राय, एमएससी रसायन विज्ञान में साक्षी गुप्ता, एम एससी वनस्पति विज्ञान में फायजा खातून, एम एससी प्राणि विज्ञान साक्षी बरनवाल, एम एससी भौतिक विज्ञान में रिहा सिंह, एम ए गृह विज्ञान खाद्य एवं पोषण में श्वेता शुक्ला, एमए गृह विज्ञान मानव विकास में सृष्टि कुमारी, एमए रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन में अभिषेक वर्मा, एमएससी जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान में रजिया खातून, एमएससी कृषि कृषि अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी दीक्षा सिंह, एमएससी कृषि कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान में आदित्य सेन, एमएससी कृषि आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन में रानी, एमएससी कृषि उद्यान विज्ञान में गोपाल कुमार तथा विवि स्तर पर संचालित समस्त पाठ्यक्रमों में सर्वाधिक अंक पाने वाली साक्षी बरनवाल को चांसलर मेडल मिला।

कुलगीत

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, विमल शिक्षा सदन।
बलिया का आध्यात्मिक क्षितिज गंगा का पावन संगमन ।1।

यह नवल नालन्दा, विमल विज्ञान-ज्ञान-कला-निलय।
है लक्ष्य जिसका-प्रेम से लौकिक विषमता का शमन।2।

यह जाति-वर्ग-विभेद से परिमुक्त, है गुरुकुल नवल।
राष्ट्रीयता, नवबन्धुता का कर रहा है पल्लवन।3।

स्नातक बनें परिपूर्ण मानव खण्ड-चिन्तन हो नहीं।
बोलें, चलें, सोचें सभी इक संग, तुल्य सदाचरण।4।

अध्यात्मरस से सींच कर सबको यथोचित ज्ञान दे।
संस्थान है यह कर रहा प्रस्थान का नूतन सृजन ।5।

यह रम्य पूर्वांचल, दिशा यह दीप्त उदयादित्य की।
कर्मस्थली जिन-बुद्ध की यह लोकसंस्कृति का भवन।6।

यह मृत्तिकाचषकों में ज्ञानामृत पिलाती भूमि है।
यह लोक भी है, वेद भी है सर्व धर्म-समन्वयन।7।

इस रम्य विद्याभूमि से ऐसी फसल तैयार हो।
जो विषमता को तोड़ समता का कराए आचमन।8।

हो नित विजयिनी शारदा श्री चन्द्रशेखर हों अमर।
बलिया कलित हो कीर्ति से भृगु-दर्दरी का आभरन।9।

अन्वीक्षण
The Quest

Compiled & Published by:

Jananayak Chandrashekhar University
Ballia - 277301 U.P.

For any suggestions, please contact us at : jncuballia@gmail.com